भारतीय गेंदबाजोंको करना होगा अच्छा प्रदर्शन

किशन दूसरे टी-२० मैच से बाहर, वैभवको मिल सकता है मौका, न्यूजीलैण्ड करना चाहेगा वापसी

क्राइस्टचर्च (एजेन्सियां)। भारत को दूसरे टी-२० मैच से पहले करारा झटका लग गया क्योंकि विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन चोट लगने के कारण मैच से बाहर हो गये हैं। भारत पहले मैच में बल्लेबाजों के दम पर बड़ा लक्ष्य हासिल करने में सफल रहा लेकिन अगर उसे अपना विजय अभियान जारी रखना है तो न्यूजीलैण्ड के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले दूसरे टी-२० अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पिछले कुछ समय की तरह इस मैच में भी भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन साधारण रहा। अगर बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया होता तो परिणाम उल्टा हो सकता था। भारत ने २२६ रन का रेकार्ड लक्ष्य हासिल करके पांच मैच की शृंखला में १-० की बढ़त हासिल कर ली लेकिन बल्लेबाजों पर अत्यधिक निर्भरता बाकी मैचों में भारी पड़ सकती है। भारत के लिए पांचवें और छठे गेंदबाज का विकल्प चिंता का विषय बना हुआ है क्योंकि चोटिल हार्दिक पंड्याकी अनुपस्थिति में अन्य आलराउंडर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। पहले मैच में नीतीश रेड्डी ने चार ओवर में ४० रन दिये और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला जबकि नमन धीर को गेंदबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन उन्होंने बल्लेबाजी में मैच विजेता पारी खेली। भारत की गेंदबाजी की मुश्किलों को और बढ़ाने वाली बात यह है कि शृंखला के पहले मैच में उसके प्रमुख गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई। लगभग चार साल बाद भारत के लिए अपना पहला मैच खेल रहे भुवनेश्वर कुमार अपनी सर्वश्रेष्ठ फार्म में नहीं थे और उन्होंने चार ओवरों में ४९ रन लुटा दिये। उनकी दो नो-बाल और उतनी ही वाइड गेंदों से पता चलता है कि उन्हें लय में आने के लिए और समय चाहिए। फिन एलन और उनके साथी सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने पावरप्ले में भुवनेश्वर और अर्शदीप पर मनचाहे चौके लगाकर इन दोनों तेज गेंदबाजों पर दबाव बना दिया था। दूसरे मैच में भी बल्लेबाजों के लिए परिस्थितियां अनुकूल रहने की उम्मीद है और ऐसे में गेंदबाजों को किसी भी तरह की गलती करने से बचना होगा। पहले टी-२० में सबसे ज्यादा रन लुटाने वाले अक्षर पटेल पर भी दबाव होगा। भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने चार विकेट से जीत के बाद कहा कि हमें हार्ड लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी लेकिन इसके बजाय हमने ओवर पिच गेंदबाजी अधिक की। बल्लेबाजी की बात करें तो ईशान किशन के चोटिल होने के कारण १५ वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस मैच में मौका मिल सकता है। उनका अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने की उम्मीद है जबकि संजू सैमसन तीसरे नम्बर पर आ सकते हैं। किशन के चोटिल होने के कारण तिलक वर्मा को पहले मैच में तीसरे नम्बर पर भेजा गया था लेकिन अब उनके पांचवें या छठे नम्बर पर ही आने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी और एडम मिल्ने ने अपने पहले स्पेल में काफी स्विंग हासिल की लेकिन उनकी लेंथ सैमसन और अभिषेक के लिए पर्याप्त कारगर साबित नहीं हुई। कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी स्वीकार किया कि उनके गेंदबाजों के लिए भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। सैमसन और अभिषेक ने पावरप्ले में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर कहर बरपाते हुए ९४ रन बनाये थे। इसके बाद सैंटनर और उनके साथी स्पिनर माइकल ब्रैसवेल ने बीच के ओवरों में भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। वह फिर से इसी तरह का प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाजों को ऑफ-स्पिन के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा है। ब्रैसवेल के खिलाफ उनके रवैये में इसकी स्पष्ट झलक देखने को मिली थी। भारतीय बल्लेबाजी काफी मजबूत है और ऐसे में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

भारत-श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव।

न्यूजीलैंड-मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रैसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कान्वे, जैकब डफी, लाकी फर्ग्यूसन, जैक फाउल्क्स, मैट हेनरी, बेवन जैकब्स, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ।

प्रसारण : १२.३० बजेसे।

मेघना ने क्रिकेट को कहा अलविदा

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारत की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज एस मेघना ने शुक्रवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। आंध्र प्रदेश की ३० साल की इस खिलाड़ी नवम्बर २०२२ में आखिरी बार भारत का प्रतिनिधित्व किया था। वह महिला प्रीमियर लीग में आरसीबी और गुजरात जायंट्स के लिए खेल चुकी है। मेघना ने पोस्ट में लिखा, खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा करते हुए मेरा दिल कृतज्ञता की भावना से भरा हुआ है। भारत के लिए तीन एकदिनी और १७ टी-२० अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली इस खिलाड़ी ने कहा कि मैदान मेरे लिए दूसरे घर की तरह रहा है। इसने मुझे विपरीत परिस्थितियों में डटे रहना और विनम्र बने रहना सिखाया। इसने मुझे ऐसी यादें और दोस्त दिये हैं जिन्हें मैं जीवनभर संजोकर रखूंगी। उन्होंने लिखा, भले ही क्रिकेट खेलने के मेरे दिन अब समाप्त हो गये हैं लेकिन इस खेल से मेरा रिश्ता कभी नहीं टूटेगा। मैं हमेशा क्रिकेट से जुड़ी रहूंगी।

परविन्दर अवाना जूनियर चयन समितिके अध्यक्ष बने

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज परविंदर अवाना को शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की नवगठित जूनियर चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अवाना ने भारत के लिए दो टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने ६२ प्रथम श्रेणी मैच में १९१ विकेट लिए हैं। उन्होंने दिल्ली, भारत 'ए' और शेष भारत का भी प्रतिनिधित्व किया।



इसके अलावा वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) की ओर से खेले थे। संन्यास के बाद अवाना ने कोचिंग की राह अपनायी। उन्होंने दिल्ली की अंडर-१६, अंडर-१९ और अंडर-२३ टीम के साथ काम किया। इसके अलावा वह भारत की अंडर-19 टीम के साथ बीसीसीआई और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) के विभिन्न कार्यक्रमों से भी जुड़े रहे। समिति के अन्य सदस्यों में कृष्णा दास, राकेश पटेल और एन अर्जुन यादव शामिल हैं। बीसीसीआई ने बयान में कहा कि क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने जूनियर क्रिकेट समिति के सदस्यों की नियुक्ति के लिए चयन प्रक्रिया पूरी की। बयान के अनुसार, सीएसी ने आवेदकों की छंटनी की और उनके साक्षात्कार लिए। इस प्रक्रिया के बाद समिति ने परविंदर अवाना को अध्यक्ष तथा कृष्णा दास, राकेश पटेल और एन अर्जुन यादव को सदस्य नियुक्त करने की सिफारिश की।

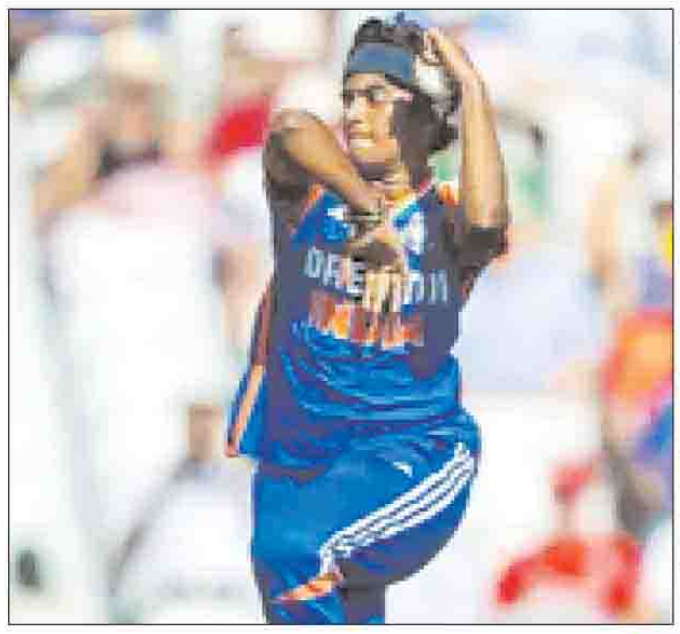


शतकीय पारीके दौरान शाट खेलती प्रतिका रावल।

प्रतिका के शतकसे भारतकी बड़ी जीत

श्री चरणी और क्रांति गौड़, गेंदबाजीमें चमकीं, पहले महिला एकदिनी में जिम्बाब्वेको नौ विकेट से हराया

वडोदरा (आससे)। श्री चरणी (१० ओवर, तीन मेडन, २३ रन, चार विकेट) के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तथा क्रांति गौड़ (३-४२) की बेहतरी गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल (अजेय १००) तथा उनकी शेफाली वर्मा (अजेय ६४) के साथ दूसरे विकेटके लिए ७० गेंद में की गयी १०६ रनकी अटूट साझेदारी के सहारे भारत ने शुक्रवार को यहां पहले महिला एकदिनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे को नौ विकेट से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की शृंखला में १-० से बढ़त बना ली। जिम्बाब्वे को ४९.५ ओवर में १९७ रन पर समेटनेके बाद भारत ने कप्तान स्मृति मंधाना का विकेट गंवाकर २७.१ ओवर में २०० रन बना लिए। मंधाना ने ३४ गेंद में चार चौके के सहारे ३२ रन बनाये और प्रतिका रावल के साथ पहले विकेटके लिए ९३ गेंद में ९४ रन जोड़े। प्लेयर आफ द मैच प्रतिका ने अपनी पारी के दौरान ९६ गेंद में १५ चौके लगाये। उन्होंने चौके के साथ एकदिनी में अपना तीसरा शतक पूरा किया जबकि शेफाली ने ३३ गेंद में पांच चौके और चार गगनचुंबी छक्के जड़ी। इससे पहले टास जीतकर खेलने वाली जिम्बाब्वे के लिए बिलव्ड बीजा ने ९२ गेंद में पांच चौके के सहारे ६२ रन की पारी खेली वरना टीम १५० के अंदर ही सिमट जाती। श्री चरणी ने अहम मौकों पर विकेट चटकाकर जिम्बाब्वे की पारी को झकझोर दिया। वहीं क्रांति गौड़ ने भी उनका अच्छा साथ निभाया। दोनों ने यहां कोटांबी के बल्लेबाजी के मुफीद विकेट पर जिम्बाब्वे को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने सलामी बल्लेबाज मोडेस्टर मुपाचिकवा (२५) और चिपो मुगेरी टिरिपानो (२१) को आउट करके जिम्बाब्वे को शुरुआती झटके दिये। इसके बाद उन्होंने न्याशा ग्वांजुरा (१३) और खतरनाक दिख रही मिशेल मावुंगा को पवेलियन भेजकर भारत का दबदबा बनाये रखा। वहीं क्रांति ने शुरुआती ओवरों में दो कैच छूटने के बावजूद अपना ध्यान नहीं भटकने दिया और तीन विकेट हासिल किये। इनमें बीजा का अहम विकेट भी शामिल था। जिम्बाब्वे की चौथे नम्बर की बल्लेबाज बीजा ने सतर्कता और आक्रामकता का अच्छा मिश्रण दिखाया। उन्होंने एक छोर संभालते हुए अर्द्धशतकीय पारी खेली लेकिन दूसरे छोर पर उन्हें साथ नहीं मिला। भारत ने भले ही मैदान पर दबदबा बनाया हो लेकिन एक बार फिर खराब क्षेत्ररक्षण देखने को मिला और टीम ने कुछ आसान कैच टपका दिये। जिम्बाब्वे की सलामी बल्लेबाज मुपाचिकवा और तीसरे नम्बर की बल्लेबाज मुगेरी टिरिपानो को जीवनदान मिले। तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर गौड़ की ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर बाएं हाथ की बल्लेबाज मुगेरी टिरिपानो ने ड्राइव खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर पीछे गई। विकेटकीपर ऋचा घोष आसान कैच पकड़ने में नाकाम रहीं। आठवें ओवर में मुपाचिकवा ने गौड़ की वाइड गेंद पर जोरदार शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर दूसरी स्लिप में खड़ी दीप्ति शर्मा (४४ रन देकर दो विकेट) के पास चली गयी। हालांकि दीप्ति ने कैच लेने की कोशिश की लेकिन गेंद उनके हाथों से छिटक गयी। बाद में जब मावुंगा तेजी से रन बना रही थीं तब ४०वें ओवर में दीप्ति की गेंद पर उन्हें जीवनदान मिला। क्रांति गौड़ के पास डीप मिडविकेट पर उनका जोरदार शाट लपकने का मौका था लेकिन वह यह मुश्किल कैच नहीं पकड़ सकीं।



भारतने एक ही दिनमें जीते नौ स्वर्ण, पिछला रेकार्ड तोड़ा

एशियाई पैरा खेल ३० स्वर्ण समेत कुल ११४ पदक जीते

नागोया (एजेन्सियां)। भारत ने पैरा एशियन गेम्स में अबतक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारत ने आइची-नागोया में ३० स्वर्ण सहित कुल ११४ पदक जीते और हांग्झू खेलों का अपना रेकार्ड तोड़ दिया। भारत ने पिछले संस्करण में २७ स्वर्ण सहित कुल १०८ पदक जीते थे जो उसका इन खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था लेकिन इस बार पैरा अथलीटों ने अपना पिछला रेकार्ड तोड़ दिया। भारत ने इस तरह अपने अभियान का अंक रेकार्ड प्रदर्शन के साथ किया। भारत ने इस बार इन खेलों में १६८ खिलाड़ियों का दल भेजा था जो २०२३ में हांग्झू में हुए पिछले चरण में हिस्सा लेने वाले दल की संख्या से लगभग आधा था। शुक्रवार को पहली बार स्वर्ण पदक जीतने में पैरा अथलेटिक्स का दबदबा नहीं रहा बल्कि बैडमिंटन खिलाड़ियों, तीरंदाजों और निशानेबाज मोना अग्रवाल ने भी भारत के पदकों की संख्या बढ़ाने में अहम योगदान दिया। इस तरह भारत ने ३० स्वर्ण, ३५ रजत और ४९ कांस्य पदकों के साथ अपना अभियान पूरा किया। इससे पहले भारत के संदीप और हानी ने शुक्रवार को क्रमश: पुरुषों की ४०० मीटर टी६४ फाइनल और पुरुषों की भालाफेंक एफ३७/३८ स्पर्धा में विश्व रेकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीते। संदीप ने ५२.२८ सेकंड के विश्व रेकार्ड के साथ सुनहरी कामयाबी हासिल की जबकि अजय कुमार को कांस्य पदक मिला। सउदी अरब के नूर अलसाना को ५३.१३ सेकंड के साथ रजत पदक मिला जबकि अजय ने खेलों का रेकार्ड बनाकर ५३.६१ सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता। संदीप और अलसाना टी४४ श्रेणी में खेलते हैं जबकि कुमार टी६४ श्रेणी के खिलाड़ी हैं। दोनों श्रेणियों की स्पर्धा अक्सर संयुक्त होती है। भालाफेंक एफ३७ /३८ स्पर्धा में हानी ने ६०.४९ मीटर (रजा अंक १११६) का विश्व रेकार्ड बनाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ईरान के होरमोज एस को ५०.६८ मीटर (रजा अंक १००९) के साथ रजत और चीन के यू चेंगजी को ५३.६६ मीटर (रजा अंक ९४३) के साथ कांस्य पदक मिला। इससे पहले प्रमोद बिजारनिया और निमिषा चाक्कुंगालपाराम्बिल ने क्रमश: पुरुषों की १५०० मीटर टी४६ और महिलाओं की ऊंची कूद टी४७ स्पर्धा में रजत पदक जीता। निमिषा ने ५.३७ मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत पदक हासिल किया जबकि श्रीलंका की धनंजना विक्रमसिंघे ने खेलों के रेकार्ड ५.५२ मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता। चीन की चेन जिन ने ५.१७ मीटर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। पुरुषों के १५०० मीटर टी४६ फाइनल में प्रमोद ने चार मिनट ०९.६५ सेकंड का समय निकालकर रजत पदक जीता। श्रीलंका के पुवाकपितिकांदे पी वाहुमपुरागे रेकार्ड चार मिनट ०३.२५ सेकंड का समय निकालकर शीर्ष पर रहे। फिलीपींस के किंग जेम्स रेयेस को कांस्य पदक मिला जिन्होंने चार मिनट १३.१८ सेकंड का समय निकाला। भारत के प्रवीण शर्मा पुरुषों के चक्काफेंक एफ११ फाइनल में ३०.६४ मीटर के प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रहे। ईरान ने तीनों पदक जीते। अमीषा रावत महिलाओं की शाटपुट एफ४६ स्पर्धा में ११.१६ मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रही।



अनाहत सिंह पहली बार सेमीफाइनल में

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमेरिका के रेडवुड सिटी में चल रहे सिलिकान वैली ओपन टूर्नामेंट में मिस्र की छठी वरीयता प्राप्त सलमा हानी पर पांच गेम की रोमांचक जीत के साथ पहली बार किसी पीएसए गोल्ड प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व में १५वें नम्बर पर काबिज १८ वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने मिस्र की विश्व में तीसरे नम्बर की खिलाड़ी और आठ बार की विश्व चैम्पियन नूर एलशेरबिनी को सीधे गेम में हराने के एक दिन बाद क्वार्टरफाइनल में विश्व में १४वें नम्बर के खिलाड़ी हानी को ४२ मिनट में ४-११, ११-८, ४-११, ११-२, ११-५ से हराया। विश्व जूनियर चैम्पियन अनाहत ने २-१ से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके जीत हासिल की। अनाहतने कहा कि मैंने इससे पहले कभी उसका सामना नहीं किया था।

एशियाई पैरा खेलकी खबरें

प्रणव सूरमा की क्लब थ्रो में सुनहरी सफलता

नागोया (एजेन्सियां)। भारत के प्रणव सूरमा ने शुक्रवार को यहां एशियाई पैरा खेलों की पुरुषों की क्लब थ्रो एफ५१ स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि धरमवीर ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। सूरमा ने ३२.८७ मीटर की दूरी के साथ खेलों का रेकार्ड बनाते हुए पिछले चरण में जीते अपने स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव किया। उन्होंने २०२४ पेरिस पैरालम्पिक में रजत पदक जीता था। कोरिया के जिवोन जंग ने २८.४० मीटर की दूरी के साथ रजत पदक जीता जबकि धरमवीर ने २७.७१ मीटर के प्रदर्शन से कांस्य पदक हासिल किया।

हरविंदर और विजय को रिकर्व में सोना

नागोया (एजेन्सियां)। भारत के हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने एशियाई पैरा खेलों में शुक्रवार को पैरा रिकर्व पुरुष युगल फाइनल में चीन को ५-१ से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दोनों टीमों के बीच पहला सेट ३५-३५ से बराबरी पर था। भारत ने दूसरा सेट ३७-३६ से और तीसरा ३८-३६ से जीता। चीन के युन डुओ और झाओ लिक्सू की जोड़ी प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख सकी। इससे पहले भारत की भावना चौधरी और पूजा जटिया की जोड़ी महिला पैरा रिकर्व युगल फाइनल में चीन की गाओ जिहान और वांग शूकियान से ०-६ से हार गयी और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने ३१, ३०, २९ स्कोर किया जबकि चीन ने ३८, ३५ और ३९ स्कोर किया।

तैराक नंदल ने तीसरा कांस्य पदक जीता

नागोया (एजेन्सियां)। हिमांशु नंदल ने एशियाई पैरा खेलों में शुक्रवार को यहां अपना तीसरा कांस्य पदक जीता जिससे भारतीय पैरा तैराकों ने आइची-नागोया खेलों में अपना अभियान कुल ११ पदकों के साथ समाप्त किया। पिछले चरण में मिले एकमात्र कांस्य पदक की तुलना में यह बड़ा सुधार है। भारतीय तैराकों ने इस बार तीन रजत और आठ कांस्य पदक जीते। हिमांशु नंदल और रवि बुडिगिना तीन-तीन पदक जीतकर भारतीय तैराकी दल के अभियान को सफल बना दिया। 'ऑप्टिक नर्व' (दृष्टि तंत्रिका) में खराबी के कारण जन्म से दृष्टिहीन २२ वर्षीय हिमांशु ने पुरुषों की १०० मीटर फ्रीस्टाइल एस११ स्पर्धा को एक मिनट ५.९० सेकंड में पूरी कर कांस्य पदक की हैटट्रिक भी पूरी की। जापान के उचु तोमिता ने ५८.२२ सेकंड के समय के साथ खेलों का नया रेकार्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता जबकि चीन के चुआनझेन सुन ने ५८.७० सेकंड में रजत पदक हासिल किया।

मोना ने विश्व रेकार्ड के साथ दूसरा स्वर्ण जीता

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय पैरा निशानेबाज मोना अग्रवाल ने एशियाई पैरा खेलों में शुक्रवार को महिलाओं की ५० मीटर राइफल थ्री पोजिशंस एसएच१ स्पर्धा में विश्व रेकार्ड तोड़कर स्वर्ण पदक जीता। मोना ने ३५७.५ स्कोर करके इन खेलों में दूसरा स्वर्ण अपने नाम किया। इससे पहले विश्व रेकार्ड ३५६ का था जो स्वीडन की अन्ना बेंसन के नाम था। उन्होंने इस साल जुलाई में यह रेकार्ड बनाया था। चीन की झांग कुइपिंग ने ३५३.७ अंक लेकर रजत और दक्षिण कोरिया की किम मियुंग ने ३४४.४ अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

टेबल टेनिस में जेहान-शुभम ले आये कांसा

नागोया (एजेन्सियां)। भारत के जेहान दोराब मदान और शुभम वाधवा ने एशियाई पैरा खेलों में शुक्रवार को पुरुष युगल एमडी४ टेबल टेनिस स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी को ग्रुप ए के आखिरी मैच में दक्षिण कोरिया के पार्क जिंचोएल और किम कियुंग हयून ने १४-१२, ११-७, ११-५ से हराया। शीर्ष चार में रहने के कारण भारतीय जोड़ी को कांस्य पदक मिला। पूर्व रेसिंग ड्राइवर ५० वर्ष के जेहान भारतीय दल में पदक जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं।

यूएई के जेल में युवक की मौत,परिजनों में मातम

भिंगारी बाजार। घर की आर्थिक स्थिति ठीक करने शारजाह यू ए ई कमाने गए एक 40 वर्षीय युवक की मृत्यु जेल में हो गई। भारतीय दूतावास से उनके मौत की सूचना जब परिजनों को मिली तो घर में कोहराम मचा गया।उनके परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।मिली जानकारी के अनुसार खामपार थाना क्षेत्र के भिंगारी बाजार निवासी रामप्रवेश कुशवाहा 40 वर्ष पुत्र रामबृछ लगभग दो वर्ष पूर्व अपने परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक करने के लिए शारजाह यू ए ई गए थे।लगभग 3 माह पूर्व बीजा समाप्त होने के बाद कथित रूप से किसी दूसरी कंपनी में कार्य कर रहे थे।उसी समय वह पुलिस की निगाह में आ गए और उन्हें जेल भेज दिया गया।उनकी सूचना न मिलने से स्वजन परेशान थे।गुरुवार की देर रात भारतीय दूतावास शारजाह दुबई से उनके घर ईमेल से उनके मृत्यु की सूचना मिली,जिसमें बताया गया कि जेल में बीमार थे। चिकित्सा के दौरान उनकी मृत्यु हो गई है।मृत्यु की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।उनका रो रोकर बुरा हाल है।उनके परिवार में पत्नी ममता देवी,पुत्र प्रियांशु 18 वर्ष, पुत्री प्रीति वी माता पिता हैं।घर के एकलौता कमाऊ युवक की मृत्यु से परिवार में आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है।शुक्रवार को आवश्यक लिखा पढ़ी कर शव घर मंगाने के लिए भारतीय दूतावास को ई मेल कर दिया गया है।अब उनके स्वजन को शव आने का इंतजार है।

श्रेया-दीपा की जोड़ीने दिलायी यूपी को जीत

वाराणसी। श्रेया और दीपा यादवके दमदार खेलसे उत्तर प्रदेश ने शुक्रवार को ७०वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय रग्बी प्रतियोगिताके सब जूनियर बालिका वर्गमें तेलंगाना को १०-० से शिकस्त दी। नयी दिल्लीमें खेली जा रही इस प्रतियोगितामें यूपी की खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल, तेज रफ्तार और आक्रामक खेल के दम पर मुकाबले में अपना दबदबा बनाये रखा। श्रेया और दीपा यादव ने यूपी के आक्रमण को धार दी, जबकि रोशनी, खुशी और पायल ने भी खेल के अहम मौकों पर टैकल और कन्वर्जन से जुड़े प्रयासों में योगदान दिया। यूपी की खिलाड़ियों ने मजबूत डिफेंस के जरिए तेलंगाना के हमलों को नाकाम किया और विपक्षी टीम को खाता खोलने का मौका नहीं दिया।उत्तर प्रदेश की टीम में शामिल सभी खिलाड़ी विकास इंटर कालेज की छात्राएं हैं।यह जानकारी जिला रग्बी संघ के अध्यक्ष डा एके सिंह ने दी है।

बैडमिण्टनमें तीन स्वर्ण समेत १६ पदक

अंतिम दिन नितेश-नवीन, तुलसीमति और मानसीने जीते सोना, तीन रजत भी भारत की झोलीमें आये

नागोया (एजेन्सियां)। भारत के लिए एशियाई पैरा खेलों की बैडमिंटन स्पर्धा में शुक्रवार का दिन बेहतरीन रहा जब पेरिस पैरालम्पिक चैम्पियन नितेश कुमार, नवीन शिवकुमार ने पुरुष एकल एसएल३ और एसएल४ में स्वर्ण पदक जीता जबकि तुलसीमति मुरूगेसन और मानसी जोशी ने महिला युगल एसएल३, एसयू५ में भारत की झोली में पीला तमगा डाला। इस तरह से भारत ने बैडमिंटन में तीन स्वर्ण, पांच रजत और आठ कांस्य सहित कुल १६ पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया। मुरूगेसन और मानसी ने चीन की यांग कियूशिया और शियाओ जूशियान को ३० मिनट तक चले मुकाबले में २१-१६, २१-१३ से हराया। वहीं पैरालम्पिक स्वर्ण पदक विजेताओं के बीच हुए मुकाबले में ३१ वर्ष के नितेश ने ३८ वर्ष के प्रमोद भगत को २१-१८, २१-१६ से हराया। वहीं २०१८ और २०२२ में स्वर्ण जीतने वाले प्रमोद को रजत पदक मिला। नितेश और पेरिस पैरालम्पिक रजत पदक विजेता तुलसीमति को मिश्रित युगल एसएल३, एसयू५ में रजत पदक भी मिला। उन्हें फाइनल में इंडोनेशिया के लीनी रात्रि ओकतिला और हिकमत रामदानी ने ११-२१, २१-१९, २१-१४ से हराया। मुरूगेसन को महिला एसयू५ वर्ग में रजत से संतोष करना पड़ा जो फाइनल में चीन की यांग कियूशिया से १८-२१, ११-२१ से हार गयी। नित्या श्री सुमति सिवन ने महिला एकल एसएच६ फाइनल में चीन की लि फेंगमेइ से १२-२१, १३-२१ से हारने के बाद रजत पदक जीता। स्वर्ण जीतने के बाद नितेश ने कहा कि एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है। पिछली बार मैं काफी करीब पहुंचकर हार गया था। इस बार प्रमोद को दो गेम में हराना काफी खास है और ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है। पहली बार इन खेलों में भाग ले रहे नवीन ने इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को ३६ मिनट तक चले मुकाबले में २१-९, २१-१७ से हराया। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। मैं पिछले तीन चार महीने से इस पल का इंतजार कर रहा था। नवीन ने युगांडा पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल २०२२ में स्वर्ण और बहरीन में बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप २०२६ में रजत पदक जीता था।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सप्तदिवसीय वार्षिक महोत्सव का आगाज

गोरखपुर, २३ अक्टूबर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में शुक्रवार को सप्तदिवसीय वार्षिक महोत्सव का शुभारंभ उत्साह एवं उल्लास के वातावरण में हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि वार्षिक महोत्सव विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम, समर्पण और सामूहिक सहभागिता का उत्सव है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं को पहचानने तथा उन्हें निखारने का अवसर प्रदान करते हैं। प्राचार्य ने कहा कि महोत्सव के अंतर्गत आयोजित होने वाली बौद्धिक प्रतियोगिताएं, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में खेल भावना और सकारात्मक करना चाहिए। सफलता जहां



दृष्टिकोण के साथ प्रतिभाग आत्मविश्वास एवं मनोबल बढ़ाती है, वहीं असफलता भी महत्वपूर्ण अनुभव और सीख प्रदान करती है। इसलिए जीवन में निरंतर प्रयास करते रहना ही आगे बढ़ने का मूलमंत्र है। उद्घाटन सत्र में वार्षिक महोत्सव की प्रस्तावित की वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. नन्दन शर्मा ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन वार्षिक महोत्सव प्रभारी डॉ. रामसहाय ने किया। वार्षिक महोत्सव के प्रथम दिन हिंदी आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग कर अपनी वक्तृत्व क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल एवं त्वरित चिंतन का परिचय दिया। प्रतियोगिता में बीबीए तृतीय सेमेस्टर के आयुष कुशवाहा ने प्रथम, बीएससी तृतीय सेमेस्टर के ऋतुराज सिंह ने द्वितीय तथा बीए तृतीय सेमेस्टर की सपना सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया। निर्णायक मंडल में बीएड विभाग की पुष्पा निषाद, शैलेन्द्र कुमार सिंह एवं डॉ. अनूप श्रीवास्तव शामिल रहे। महोत्सव के अंतर्गत आयोजित शतरंज प्रतियोगिता में बीएससी पंचम सेमेस्टर के रोहित कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बीसीए तृतीय सेमेस्टर के नितेश कुमार द्वितीय तथा इसी सेमेस्टर के कृष्ण गोपाल शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता का संयोजन अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. मंजेश्वर एवं रक्षा अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा ने किया।

♦ आशुभाषण में आयुष और शतरंज में रोहित ने मारी बाजी